के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष—01 अंक 43 सुलतानपुर बुधवार 18 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

पारदर्शिता के साथ युवाओं को मिल रही है सरकारी नौकरी, विधानसभा में बोले सीएम योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने पारदर्शिता और आरक्षण के नियमों का पालन करते हुये केवल शिक्षा विभाग में ही एक लाख 60 हजार से अधिक की भर्तियां की है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन अनुपूरक अनुदान प्रस्ताव पेश होने के बाद चर्चा में भाग लेते हुये योगी ने शिक्षा क्षेत्र में सरकार द्वारा किए गए कार्यों को रखा। उन्होंने सपा विधायक मनोज कुमार पारस, पूजा, पंकज पटेल के मुद्दे को महत्वपूर्ण व संवेदनशील बताया, लेकिन नसीहत दी कि सदस्यों को सदन की गरिमा व मर्यादा को ध्यान में रखकर तथ्यपरक बातें रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने 1.60 लाख से अधिक भर्तियां शिक्षा विभाग में की हैं। समग्र शिक्षा (बेसिक, माध्यमिक, उच्च, तकनीकी, व्यावसायिक, चिकित्सा शिक्षा) को लेकर नया चयन बोर्ड (उ.प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग) बनकर तैयार है। वह विभिन्न विभागों से अधियाचन मांगकर नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। हमारी सरकार ने अकेले शिक्षा विभाग में ही 1.60 लाख से अधिक भर्तियां की हैं। यह वे भर्तियां हैं, जो पिछली सरकार की बदनीयती के कारण भरी नहीं जा सकी थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारी देश, दुनिया व उत्तर प्रदेश के सामने चुनौती है। उत्तर प्रदेश दुनिया के अंदर सबसे युवा राज्य है। 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 56 से 60 फीसदी आबादी वर्किंग फोर्स—युवा है। हमारी सरकार ने राज्य के युवाओं को ध्यान में रखकर अनेक कार्य किए हैं। पिछले सत्र में हमारी सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सार्वजनिक परीक्षा व अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम —2024 को पारित किया। प्रदेश के युवाओं को ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरियां प्राप्त हो रही हैं। इसमें आरक्षण के नियमों का अक्षरशरू पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां पर सदस्यों द्वारा रखे गए आंकड़े तथ्यपरक नहीं हैं। यदि उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भर्तियों की प्रक्रिया को पूर्ण करने की बात है तो 69000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र जारी हुए हैं, वे सभी चार वर्षों से स्कूलों में पढ़ा भी रहे हैं। उससे पहले 68500 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को संपन्न किया गया, क्योंकि उस समय बीएड को एनसीटीई ने उस परीक्षा के योग्य नहीं माना था और उस समय बीटीसी के इतने अभ्यर्थी हमारे पास नहीं थे। इसमें केवल 42 हजार शिक्षकों की भर्ती हो पाई थी, जो आज बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं। इन सभी को नियुक्ति पत्र जारी हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया था। शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक के रूप में भर्ती किया था। उच्चतम न्यायालय ने उन्हें खारिज करके सेवाओं को समाप्त करने का आदेश किया था, लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें निश्चित मानदेय पर रखा है। वे सभी शिक्षामित्र भी यथावत कार्य कर रहे हैं। उन्हें वेटेज देकर भर्ती प्रक्रिया से जोड़ा गया था।उच्चतम न्यायालय की मंशा के अनुरूप कदम उठाए गए थे। 44,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग बोर्ड व उच्चतर शिक्षा चयन आयोग बोर्ड के द्वारा संपन्न की जा चुकी है। उन्होने कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ी विनम्रता से कहूंगा कि पिछड़ी जाति के 27 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर 18 हजार पद आरक्षित होते हैं और पिछड़ी जाति के उसमें 32,200 से अधिक नौजवान भर्ती हुए हैं। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण की सीमा 21 फीसदी है, जिसमें 12 हजार पद उनके लिए आरक्षित होते हैं लेकिन भर्ती हुई है 14 हजार से अधिक की। ये चीजें दिखाती है कि अपनी योग्यता और मेरिट से जो लोग आगे बढ़े है उन्हें जनरल कैटेगरी का भी लाभ दिया गया है। जनरल के जो 34,500 पद थे, उसमें भर्ती हुई है मात्र 20 हजार। यह उन सबके लिए आंखें खोलने वाला होना चाहिए, जो इनके नाम पर राजनीति करके समाज में बंटवारे की खाई को चौड़ा करना चाहते हैं। उन्होने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ हमने अध्यादेश पारित किया वहीं सरकारी नौकरियों में युवाओं को ईमानदारी पारदर्शिता के साथ आरक्षण के नियमों के साथ नौकरियां मिलें, इसके लिये काम हो रहा है। पुलिस बल में भी एक लाख से अधिक भर्तियां हो चुकी हैं जबकि 60 हजार से अधिक की भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होने कहा कि उनके कार्यकाल में अलग अलग विभागोंमेंअब तक सात लाख सेज्यादा सरकारी नौकरियांदी जा चुकी हैंऐसी में सपा पर कटाक्ष करते हुये कहा कि 2017 के पहले का दौर कोई नहीं भूला जब 86 एसडीएम के पद पर 56 एक ही जाति के लोगों को भर दिया गया था। वहीं प्रयागराज के जहां पब्लिक सर्विस कमीशन में उसे अध्यक्ष बना दिया गया था जिसकी डिग्री फर्जी थी।

झारखंड की 1.36 लाख करोड़ रुपये की दावेदारी केंद्र ने नकारी, हेमंत बोले- भाजपा सांसद उठाएं आवाज

एजेंसी/रांची । 1 लाख 36 हजार करोड़ की रकम पर केंद्र और झारखंड सरकार के बीच तकरार खड़ी हो गई है। झारखंड सरकार का दावा है कि राज्य में कोयला खनन की रॉयल्टी और खदानों के लिए जमीन अधिग्रहण के एवज में केंद्र के पास यह रकम बकाया है। लेकिन, केंद्र सरकार ने संसद में इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि झारखंड का उसके पास कोई बकाया नहीं है। केंद्र के इस स्टैंड पर झारखंड सरकार ने विरोध जताया है।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि झारखंड की मांग जायज है। राज्य के विकास के लिए यह राशि जरूरी है। उन्होंने झारखंड के भाजपा सांसदों से अपील की है कि वे झारखंड की इस मांग पर आवाज बुलंद करें। झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन ने केंद्र के पास कुल 1 लाख 36 हजार करोड़ की राशि बकाया होने का मुद्दा विधानसभा चुनाव के दौरान भी प्रमुखता से उठाया था। सीएम सोरेन अपनी सभाओं में बार—बार कहते रहे कि केंद्र ने झारखंड का पैसा रोक रखा है, जिसकी वजह से राज्य में विकास की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।दो दिन पहले बिहार के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने लोकसभा में इसे लेकर सवाल पूछा कि कोयले से राजस्व के रूप में अर्जित कर में झारखंड की हिस्सेदारी 1.40 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार के पास लंबित है। उसे ट्रांसफर नहीं किया जा रहा है। इसके क्या कारण है? इस सवाल पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लिखित जवाब में कहा कि केंद्र सरकार के पास कोयले के राजस्व का झारखंड का कोई हिस्सा लंबित नहीं है।केंद्र के इस जवाब के बाद झारखंड में सियासी तौर पर बवाल मचना तय माना जा रहा है। फिलहाल दूसरे राज्यों के निजी दौरे पर गए सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर पहली प्रतिक्रिया दी है। सीएम सोरेन ने इसी साल सितंबर महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मुद्दे पर एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था झारखंड राज्य का सामाजिक—आर्थिक विकास मुख्य रूप से खनन और खनिजों से होने वाले राजस्व पर निर्भर करता है, जिसमें से 80 प्रतिशत कोयला खनन से आता है। झारखंड में काम करने वाली कोयला कंपनियों पर मार्च 2022 तक राज्य सरकार का लगभग 1,36,042 करोड़ रुपये का बकाया है। पीएम को भेजे गए पत्र में कोयला कंपनियों पर बकाया राशि की दावेदारी का ब्रेकअप भी दिया था। इसके अनुसार वाश्ड कोल की रॉयल्टी के मद में 2,900 करोड़, पर्यावरण मंजूरी की सीमा के उल्लंघन के एवज में 32 हजार करोड़, भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के रूप में 41,142 करोड़ और इसपर सूद की रकम के तौर पर 60 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं। सीएम सोरेन ने पीएम को भेजी गई चिट्ठी में कहा था कि जब झारखंड की बिजली कंपनियों ने केंद्रीय उपक्रम डीवीसी (दामोदर वैली कॉरपोरेशन) के बकाया भुगतान में थोड़ी देर की, तो हमसे 12 प्रतिशत ब्याज लिया गया और हमारे खाते से सीधे भारतीय रिजर्व बैंक से डेबिट कर लिया गया। उन्होंने कहा कि अगर हम कोयला कंपनियों पर बकाया राशि पर साधारण ब्याज 4.5 प्रतिशत के हिसाब से जोड़ें तो राज्य को प्रति माह केवल ब्याज के रूप में 510 करोड़ रुपये मिलने चाहिए। उन्होंने कहा है कि इस बकाया का भुगतान न होने से झारखंड राज्य को अपूरणीय क्षति हो रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, स्वच्छ पेयजल और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी जैसी विभिन्न सामाजिक योजनाएं फंड की कमी के कारण जमीन पर उतारने में दिक्कत आ रही है।

न खुद किसानों के लिए कुछ करते हैं, न दूसरों को करने देते हैं, पीएम मोदी का कांग्रेस पर निशाना

दादिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि किसानों के नाम पर बड़ी बड़ी बातें करने वाले न तो खुद किसानों के लिए कुछ करते हैं न ही दूसरों परियोजना को स्वीकृत भी किया और इसका विस्तार भी किया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही मध्य प्रदेश व राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी तो पार्वती कालीसिंध चम्बल परियोजना एमपीकेसी लिंक परियोजना पर

को कुछ करने देते हैं। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि भाजपा की नीति विवाद की नहीं संवाद की है और वह व्यवधान में नहीं समाधान में विश्वास रखती है। मोदी राजस्थान सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर यहां दादिया में आयोजित 'एक वर्ष—परिणाम उत्कर्ष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने ऊर्जा, सड़क व रेलवे से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन में गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विलंब की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा,"ईआरसीपी को कांग्रेस ने कितना लटकाया, ये भी कांग्रेस की नीयत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ये किसानों के नाम पर बातें बड़ी—बड़ी करते हैं लेकिन किसानों के लिए न खुद कुछ करते हैं और न ही दूसरों को करने देते हैं। पीएम मोदी ने कहा, "भाजपा की नीति विवाद की नहीं, संवाद की है। हम विरोध में नहीं, सहयोग में विश्वास करते हैं। हम व्यवधान में नहीं, समाधान पर यकीन करते है। इसलिए हमारी सरकार ने पूर्वी राजस्थान नहर समझौता हो गया। मोदी ने कहा कि बीते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में मुख्यमंत्री भजनलाल जी और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा की डबल इंजन की सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा जो भी संकल्प लेती हैं वो पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा, "आज देश के लोग कह रहे हैं कि भाजपा सुशासन की गारंटी है। तभी तो एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना भारी जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा, "21वीं सदी के भारत के लिए नारी का सशक्त होना बहुत जरूरी है। नारी शक्ति को मजबूत करने के लिए हम अनेक नई योजनाएं बना रहे हैं। मोदी खुली छत वाले वाहन में सवार होकर सभा स्थल पर पहुंचे। उनके साथ वाहन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद थे। तीनों नेताओं ने उपस्थित जनसमूह का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे।

मण्डलायुक्त द्वारा जिला सहकारी बैंक समेत किसान सहकारी चीनी मिल टेढुई का किया गया निरीक्षण।

सुलतानपुर। मण्डलायुक्त अयोध्या मण्डल अयोध्या गौरव दयाल का जनपद भ्रमण के दौरान प्रभारी जिलाधिकारीध्मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक, पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली चोपड़ा सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण भवन लो0नि0वि0 में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात आयुक्त द्वारा जिला सहकारी बैंक लि0 सुलतानपुर(मुख्यालय), 50 लाख से अधिक लागत की परियोजना के अन्तर्गत निर्माणाधीन राजकीय बालिका आई.टी.आई. कॉलेज, वि0ख0 दूबेपुर, सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट, दूबेपुर व किसान सहकारी चीनी मिल लि0 टेढुई का निरीक्षण किया गया।आयुक्त द्वारा सर्वप्रथम जिला सहकारी बैंक लि0 सुलतानपुर निबन्धन सं0 98ध्3 अप्रैल, 1912 का निरीक्षण किया गया। आयुक्त द्वारा सचिवध्मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय कुमार से सहकारी बैंक के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। सचिवध्मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जिला सहकारी बैंक लि0 की निबन्धन सं0 98ध्3 अप्रैल, 1912 है, जिसमें एक प्रबन्ध कमेटी है, जिसके कुल अध्यक्ष सहित 12 सदस्य हैं। जिला सहकारी बैंक लि0 का विस्तार सुलतानपुर एवं अमेठी है। जिला सहकारी बैंक पूर्णतया कम्प्यूटरयुक्त सी.बी.एस. पर कार्य रही है, ग्राहकों को आर.टी.जी.एस.ध्एन.ई.एफ.टी. एवं एस.एम.एस. की सेवाएं दी जा रही है।आयुक्त द्वारा ऋण वितरण की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की, तो उन्होंने अवगत कराया कि जिला सहकारी बैंक लि0 में वर्ष 1997—98 से बैंक से सम्बद्ध समितियों में ऋण वितरण का कार्य तरलता के अभाव एवं समितियों के डिफाल्टर होने के कारण बाधितध्बन्द हो गया था, परन्तु बैंक अपनी शाखाओं के माध्यम से किसानों को डायरेक्ट के.सी.सी. की सुविधा वर्ष 2021—22 से प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि बैंक के अन्तर्गत 17 शाखाएं एवं एक मुख्यालय संचालित है, जिसमें 05 शाखाएं जनपद— अमेठी से संचालित हो रही हैं। बैंक की समस्त शाखाओं के खातेदारों की संख्या—135812 है, जिनका जमा धन निक्षेप के रूप में रूपये 9774.02 लाख रू0 जमा है। उन्होंने बताया कि बैंक से सम्बद्ध जनपद सुलतानपुर में 116 एवं जनपद अमेठी में 70 समितियां संचालित है, कुल सम्बद्ध समितियों की संख्या—186 है, जिसके सापेक्ष 174 समितियों की 10—10 लाख रू0 की उर्वरक ऋण सीमा बैंक से स्वीकृत है, समितियों द्वारा 01.04.2024 से 13.12.2024 तक 4010.88 लाख व्यवसाय किया जा चुका है। आयुक्त द्वारा निर्देशित करते हुए कहा गया कि ऋण वितरण की स्थिति में सुधार किया जाय तथा समितियों को और मजबूत किया जाय। उन्होंने परिसर की साफ—सफाई हेतु निर्देशित किया। तत्पश्चात आयुक्त द्वारा 50 लाख से अधिक लागत की परियोजना के अन्तर्गत निर्माणाधीन राजकीय बालिका आई.टी.आई., वि0ख0 दूबेपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एकेडमिक ब्लाक, (ळ2) का निर्माण, (भू—तल 11 कक्ष एवं 2 टायलेट, प्रथम—तल पर 12 कक्ष एवं 2 टायलेट व द्वितीय—तल पर 9 कक्ष एवं 2 टायलेट), वर्कशाप का निर्माण, 02 नग टाईप—प आवास का निर्माण, 01 नग टाईप—पप आवास का निर्माण, गार्ड रूम का निर्माण, बाउण्ड्रीवाल (483 मीटर) का निर्माण कार्य, ओवर हेड टैंक (20 किलो लीटर) के निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। उक्त निर्माण कार्य की कार्यदायी संस्था यू0पी0 पी.सी.एल. निर्माण इकाई अयोध्या है। आयुक्त द्वारा सम्बन्धित से जानकारी प्राप्त की गयी। कार्यदायी संस्था के जे.ई. द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना की कुल लागत रू0 1260.00 लाख है, जिसमें (केन्द्र रू0 756.00, राज्यांश रू0 504.00 लाख) वर्कशाप का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य प्रगति पर है, एकेडमिक ब्लाक का फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। आयुक्त द्वारा कार्य पूर्ण कराने की तिथि के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि जून, 2025 तक कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। आयुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ससमय कराना सुनिश्चित करें जिससे यथाशीघ्र पूर्ण रूप से संचालित किया जा सके। तत्पश्चात आयुक्त द्वारा गोमती एक्शन प्लान के अन्तर्गत निर्मित सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट, दूबेपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के सभी तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की गयी। उक्त कार्य जल जीवन मिशन(ग्रामीण) के द्वारा कराया गया है। सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि शहर के नालो से आने वाले प्रदूषित जल का शोधन उक्त प्लांट में किया जाता है। उन्होंने बताया कि उक्त सीवरेज प्लांट एस.टी.पी. ऑक्सीडेसन पॉन्ड तकनीकि पर आधारित है। आयुक्त द्वारा ट्रीटमेन्ट की शोधन क्षमता के बारे में सम्बन्धित से जानकारी प्राप्त की गयी। आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान ट्रीटमेन्ट प्लान्ट में बने मार्ग को सही कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया जाय कि उक्त कार्य को सही करायें। उन्होंने परिसर की साफ—सफाई व सीवरेज प्लांट की देख—रेख हेतु विशेष रूप से निर्देश दिये। तत्पश्चात आयुक्त द्वारा किसान सहकारी चीनी मिल लि0 टेढुई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर की साफ—सफाई, गन्ने की उपलब्धता, पेराई क्षमता, क्रय केन्द्र, गन्ना मूल्य भुगतान, उत्पादन क्षमता, मिल की वित्तीय हानिया आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मिल की पेराई की क्षमता 1280 टन गन्ना प्रतिदिन की है। गन्ना एरिया 2024—25 में 2524 हेक्टेयर है। 02 गन्ना क्रय केन्द्र वर्तमान में संचालित है। आयुक्त द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित करते हुए कहा कि परिसर की साफ—सफाई को और बेहतर किया जाय। उन्होंने मिल को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने हेतु सभी आवश्यक उपाय किये जाने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर संयुक्त विकास आयुक्त अयोध्या मण्डल अयोध्या विजय कुमार, अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0) एस. सुधाकरन, अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) गौरव शुक्ला, उप जिलाधिकारी सदर विपिन द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लाल चन्द्र, जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल के पक्ष में 269 वोट, इलेक्ट्रानिक सिस्टम से कराई गई वोटिंग

एजेंसी/नयी दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पेश किया। इस बिल के पेश होने के बाद सांसद में जोरदार हंगामा हुआ। विपक्ष के सांसदों ने इस बिल को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। इन सब के बीच इस बिल को स्वीकार कराने के लिए लोकसभा में वोटिंग कराई गई। वन नेशन, वन इलेक्शन बिल के समर्थन में कुल 269 सांसदों ने वोटिंग की तो वहीं, इस बिल के खिलाफ 198 सांसदों ने मत दिया। इस बिल को स्वीकार कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से वोटिंग कराई गई। कांग्रेस, सपा और एनसीपी ने इस बिल को जेपीसी के पास भेजे जाने की मांग की। बिल को अब विचार—विमर्श के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा जाएगा। बता दें कि लोकसभा में इस बिल को पेश किए जाने का कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, शिवसेना उद्धव गुट समेत कई विपक्षी दलों ने विरोध किया। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जो एक साथ 8 राज्यों में विधानसभा चुनाव नहीं करा पाए वह पूरे देश में एक साथ चुनाव की बात करते हैं। वहीं, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह बिल संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, हम इस बिल का कड़े शब्दों में विरोध करते हैं। इस बिल के जरिए राष्ट्रपति को ज्यादा शक्ति दी गई है कि वह अब 82 ए के द्वारा विधानसभा को भंग कर सकते हैं। ये अतिरिक्त शक्ति राष्ट्रपति के साथ चुनाव आयोग को भी दी गई है। 2014 के चुनाव में 3700 करोड़ खर्च हुआ, इसके लिए ये असंवैधानिक कानून लाए हैं। संविधान में लिखा है कि पांच साल के कार्यकाल से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पूरे भारत के चुनाव को प्रभावित करेगा, हम ये नहीं होने देंगे। हम इसका विरोध करते हैं। इस बिल को जेपीसी में भेजा जाए।ष्वहीं, तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक का समर्थन किया। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी के सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से देश का पैसा बचेगा। अगर एक साथ चुनाव होते हैं, तो लगभग 40 प्रतिशत खर्च बचेगा। इसी तरह हर पार्टी का पैसा भी बचेगा।

एसडीएम व ईओ नगरपालिका द्वारा रैन बसेरा का किया गया निरीक्षण।

सुलतानपुर – बढ़ती ठंड को देखते हुए उप जिलाधिकारी सदर

विपिन द्विवेदी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लालचंद सरोज द्वारा रैन बसेरा का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान रजाई गद्दा एवं अलाव की व्यवस्था का जायजा लिया। रैन बसेरा की उचित देखरेख के लिए चौकीदार को निर्देशित भी किया।

नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में अगामी पेंशनर दिवस का होगा आयोजन।

सुलतानपुर मुख्य कोषाधिकारी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन, वित्त(सामान्य) अनुभाग—3 लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 दिसंबर, 2024 को पेंशनर दिवस का आयोजन नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया जायेगा।

उन्होंने अवगत कराया कि उक्त पेंशनर दिवस में समस्त कार्यालयाध्यक्ष स्वयं अथवा उनके कार्यालय के वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारी व पेंशन धारक उपस्थित रहेंगे।

उक्त बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की कार्यवाही की जायेगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो अस्पताल पर ताबड़तोड़ मारा छापा, एक पर सीज की हुई कार्यवाही।

सुलतानपुर –मिल रही शिकायतों को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने आज ताबड़तोड़ दो अस्पताल में छापा मार कार्यवाही की, जिसमें एक अस्पताल पर कार्यवाही के लिए सीएचसी प्रभारी को निर्देशित किया गया इस कार्यवाही से विकास क्षेत्र के साथ साथ जनपद के सभी झोलाछाप अस्पताल संचालकों में अफरातफरी मची रही ।बताते चले कि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० राधावल्लभ की अगुवाई में लंभुआ के दो अस्पताल में टीम द्वारा जांच पड़ताल की गई। इस बात की जानकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। प्रेसनोट में बताया गया कि सोशल मीडिया पर प्राप्त शिकायत अवैध रूप से संचालित ष्सूर्या नर्सिंग होम, लम्भुआ, सुलतानपुरष का आज दिनांक 16 दिसंबर को समय लगभग अपराह्न दो बजे टीम द्वारा जिसने डा० राधावल्लभ अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा अनिल कुमार सिंह अधीक्षक सामु०स्वा०केन्द्र लम्भुआ सुलतानपुर, डा० राघवेन्द्र प्रताप सिंह चिकित्सा अधिकारी सामु०स्वा०केन्द्र लम्भुआ सुलतानपुर, विजय कुमार राय वरिष्ठ सहायक कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुलतानपुर एवंविनोद कुमार कांस्टेबल कोतवाली लम्भुआ की बनी संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। विभाग द्वारा बताया गया कि उक्त शिकायत से सम्बन्धित भवन ध स्थल पर हास्पिटल ध नर्सिंग होम से सम्बन्धित कोई बोर्ड सामग्री नही पायी गई एवं ताला बन्द पाया गया। वही दूसरी हुई शिकायत बालाजी हास्पिटल, दियरा रोड, लम्भुआ पर अपराह्न दो बजे निरीक्षण करने टीम पहुंची तो टीम के अधिकारियों को संचालक द्वारा कोई भी पंजीकरण प्रमाण—पत्र नहीं दिखा पाई जिसको लेकर टीम द्वारा बालाजी हास्पिटल को सीज किया गया एवं प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु चिकित्सा अधीक्षक सामु०स्वा०केन्द्र लम्भुआ सुलतानपुर को निर्देशित किया गया।इस बात की जानकारी प्रेस नोट के माध्यम से अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० राधावल्लभ द्वारा दी गई।

गरीब वर्ग के लिए बेहद लाभकारी है भारत की दान संस्कृति

प्रह्लाद सबनानी ।

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष्य में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है। साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चत्तम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है।आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक

जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है।

उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अतः उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है।यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे।

श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशरू अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है। टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर – कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है ।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीडन दुर्भाग्यपूर्ण

जिस बांग्लादेश के निर्माण में भारत ने अहम भूमिका निभाई थी, अब उसी के साथ भारत के रिश्ते अभूतपूर्व तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। वहां चार महीने पहले निर्वाचित सरकार के तख्तापलट और उसके बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण ले लेने के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते तो तल्ख हुए ही हैं, साथ ही बांग्लादेश में रह रहे हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसक हमलों की घटनाओं से भी दोनों देशों के रिश्तों में खासी कटुता आ गई है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि बांग्लादेश में ऐसे लोगों की बड़ी तादाद हो गई है जो अपने देश की पहचान 1971 के संदर्भ में नहीं, बल्कि 1947 के संदर्भ में देखने लगे हैं। देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस तो संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी कह चुके हैं, श्बांग्लादेश बना, क्योंकि लोगों का उदारवाद, बहुलवाद एवं धर्मनिरपेक्षता में गहरा यकीन था। अब दशकों बाद नई पीढ़ी उन मूल्यों और उसूलों पर पुनर्विचार कर रही है, जैसा कि 1952 में हुआ था, जब हमारे देशवासियों ने अपनी मातृ भाषा बांग्ला की रक्षा का संकल्प लिया था।' यानी 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने मजहबी आधार पर बने राष्ट्र (पाकिस्तान) को नकार कर भाषा एवं संस्कृति पर आधारित बहु–धर्मीय राष्ट्र को स्वीकार किया था। लेकिन अब लोग 1947 की तरफ देख रहे हैं, जब भारत का मजहबी आधार पर विभाजन हुआ था।अब बात चूंकि मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा यह है कि वहां धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर उभर कर सामने आया है, जब भारत उसे वैचारिक चुनौती देने के लिहाज से बेहद कमजोर स्थिति में है। चूंकि भारत में भी अब सत्ता प्रेरित मुख्य विमर्श हिन्दू–मुसलमान पर केंद्रित है, लिहाजा बांग्लादेश में हमेशा से मौजूद रही और अब सिर उठा कर सामने आ चुके महजबी कट्टरपंथी ताकतों को भी तर्क और ताकत मिल रही है।

वैसे शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से वहां मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने भी पाकिस्तान से रिश्तों में गर्माहट लाने की दिशा में ऐसे कई ठोस कदम उठाए हैं जो भारत के हित में नहीं माने जा सकते। पिछले महीने ही पाकिस्तान का एक मालवाहक पोत कराची से चल कर बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी तट स्थित चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद से दोनों देशों में पहली बार सीधा समुद्री संपर्क हुआ है।इससे पहले उनके बीच समुद्री व्यापार सिंगापुर या कोलंबो के जरिए होता था। खुद बांग्लादेश ने इस घटना को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण कदम की शुरु आत बताया है। कहा है कि इस रूट पर समुद्री संपर्क बनना दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन को आसान बनाएगा, परिवहन के समय में कमी आएगी और आपसी व्यवसाय के लिए नये अवसरों के दरवाजे खुलेंगे।जाहिर है कि यह सीधा समुद्री संपर्क पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिक रिश्तों में ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। इसके पहले खबर आई थी कि दोनों देश एक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान परमाणु बिजली संयंत्र लगाने में बांग्लादेश की मदद करेगा। पूरा घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का पहलू है। आम संबंधों के साथ दोनों देशों के उग्रवादी तत्वों के बीच संपर्क बनना भी आसान हो सकता है। लेकिन इस मामले में भारत कुछ कर सकने की स्थिति में नहीं दिखता।दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीडन को लेकर वहां की अंतरिम सरकार को अंतरराष्ट्रीय कठघरे में खड़ा करने की रणनीति पर राष्ट्रीय आम सहमति बनाने की बजाय भारत में सियासी पार्टियां खासकर सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ उठाने के अभियान में जुटी हुई हैं। भाजपा और उसके सहयोगी उग्र हिन्दूवादी संगठनों की ओर से देश में जगह–जगह बांग्लादेश के खिलाफ और वहां रह रहे हिन्दुओं के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं।

फडणवीस को दी गयी खुली छूट!

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनाने का श्रेय देवेन्द्र फडणवीस को दिया जा रहा है। बताते हैं इसीलिए उन्हें मंत्रिमंडल की भी खुली छूट दी गयी। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 132 सीटों पर जीत मिली है जबकि उनके सहयोगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 57 सीटें और अजित पवार की पार्टी एनसीपी को 41 सीटों पर जीत मिली। पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले तो डिप्टी सीएम बनने को ही तैयार नहीं थे। बाद में वह गृहमंत्रालय की मांग कर रहे थे, ऐसा बताया गया लेकिन फडणवीस के मंत्रिमंडल में उनको गृहमंत्रालय भी नहीं दिया गया है। मंत्रियों के मामले में उनको थोड़ी तरजीह दी गयी। पहले शिवसेना और एनसीपी को बराबर–बराबर मंत्री दिये जा रहे थे लेकिन गत 15 दिसम्बर को सम्पन्न हुए मंत्रियों के शपथ ग्रहण में भाजपा को 19, एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 11 और अजित पवार की एनसीपी को 9 मंत्री मिले हैं। गृह और राजस्व विभाग भाजपा ने अपने पास रखे हैं जबकि अजित पवार को वित्त मंत्रालय दिया गया है। देवेन्द्र फडणवीस की कैबिनेट में भाजपा की तरफ से ऐसे लोगों को शामिल करने की कोशिश की गयी है जिन्होंने पार्टी को संगठन के स्तर पर और नई सीटें जिताने में मदद की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावन कुले और पंकजा मुंडे को भी मंत्रिमंडल में जगह मिली है। उधर, दबाव बनाने वाले दिग्गजों की छुट्टी कर दी गयी है। यह भी कहा जा रहा है इन सभी को फिलहाल ढाई साल के लिए ही मंत्री बनाया गया है। इसका मतलब है कि असंतुष्टों के लिए आश्वासन है। शिवसेना (शिंदे) के एक विधायक ने इस्तीफा दे दिया है।

महाराष्ट्र में रविवार को देवेंद्र फडणवीस सरकार में 39 नये मंत्रियों ने शपथ ली। मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा को 19 मंत्री पद मिले, एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 11 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 9 मंत्री पद मिले। तैंतीस विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि छह ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। फडणवीस के कैबिनेट विस्तार के माध्यम से महायुति ने सभी समुदाय को साधने की कोशिश की। नए मंत्रिपरिषद में प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार को भी जगह दी गयी है। हालांकि देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले रवींद्र चव्हाण को मंत्रिपरिषद में जगह नहीं मिली। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में डोंबिवली से 77106 मतों के भारी अंतर से उन्होंने जीत दर्ज की। चर्चा थी कि उन्हें कैबिनेट में जरूर जगह मिलेगी हालांकि अंतिम समय में उनका नाम कैबिनेट से कट गया। विधानसभा चुनाव में बीजेपी को रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में जो जीत मिली, उसका श्रेय रवींद्र चव्हाण को दिया जा रहा है। बीजेपी ने शिवसेना से दोगुनी से अधिक सीटों पर और एनसीपी से तिगुनी से अधिक सीटों पर जीत हासिल की। यदि सीटों के हिसाब से सरकार में भागीदारी का हिस्सा देखें तो बीजेपी ने शिवसेना और एनसीपी को कहीं अधिक मंत्री पद दिए हैं। बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी की सीटें 132, 57 और 41 हैं जबकि इन तीनों दलों के पास मंत्री पद क्रमशः 19, 11 और 9 हैं। अब इसमें मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्रियों, यानी देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को भी जोड़ें तो यह संख्या 20, 12 और 10 हो जाती है। बीजेपी ने कैबिनेट में गठबंधन धर्म निभाया और 'बड़े भाई' की भूमिका निभाई है। महाराष्ट्र के नए मंत्रिमंडल में कई दिग्गज नेताओं का पत्ता कट गया है। एनसीपी के छगन भुजबल और दिलीप वलसे पाटिल, बीजेपी के सुधीर मुनगंटीवार एवं शिवसेना से अब्दुल सत्तार व दीपक केसरकर मंत्रिमंडल में नहीं लिये गए हैं। छगन भुजबल एनसीपी के तो वरिष्ठ नेता हैं ही, महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के भी सबसे वरिष्ठ नेता माने जाते हैं। सुधीर मुनगंटीवार बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं। वे 1995 में पहली बार बनी शिवसेना–भाजपा गठबंधन सरकार में, 2014 की फडणवीस सरकार में और 2022 में शिंदे सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। अब्दुल सत्तार और दीपक केसरकर एकनाथ शिंदे के करीबी माने जाते हैं। शिवसेना से अर्जुन खोतकर, तानाजी सावंत का भी पत्ता कट गया है। देवेंद्र फडणवीस की सरकार में 25 नए चेहरों को जगह मिली है, जिनमें चंद्रशेखर बावनकुले, गणेश नाइक, जयकुमार रावल, पंकजा मुंडे, मकरंद पाटिल, नितेश राणे, आकाश फुंडकर, बाबासाहेब पाटिल, प्रकाश अबितकर, माधुरी मिसाल, आशीष जयसवाल, पंकज भोयर, मेघना बोर्डिकर, इंद्रनील नाइक अशोक उइके, आशीष शेलार, दत्तात्रेय भरणे, शिवेंद्रराजे भोसले, माणिकराव कोकाटे, जयकुमार गोरे, नरहरि जिरवाल, संजय सावकारे, संजय शिरसाट, प्रताप सरनाईक, भरत गोगावले, शामिल हैं।

एकनाथ शिंदे की सरकार में मंत्री रहे 12 कैबिनेट मंत्रियों को देवेंद्र फडणवीस की सरकार में जगह नहीं मिली। सीएम की तरफ से साफ संदेश दिया गया है कि प्रत्येक मंत्री के कार्यों का ऑडिट किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट में बीजेपी की तरफ से ऐसे लोगों को शामिल करने की कोशिश रही जिन्होंने पार्टी को संगठन के स्तर पर और नई सीटें निकालने में मदद की।

इस प्रकार महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों के 23 दिन बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट तैयार हो पाई है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में नाराजगी के सुर भी उठने लगे हैं। कई नेताओं ने मंत्री पद न मिलने पर पार्टी की आलोचना की है। इसको लेकर एकनाथ शिंदे खुद अपने नेताओं पर भड़क गए। एकनाथ शिंदे ने पार्टी की आलोचना करने वाले नेताओं के भविष्य के बारे में अलग ढंग से सोचने का फैसला लिया है। उन्होंने नेताओं को आश्वस्त किया है कि सबके

कट्टरपंथियों के दबाव में यूनुस

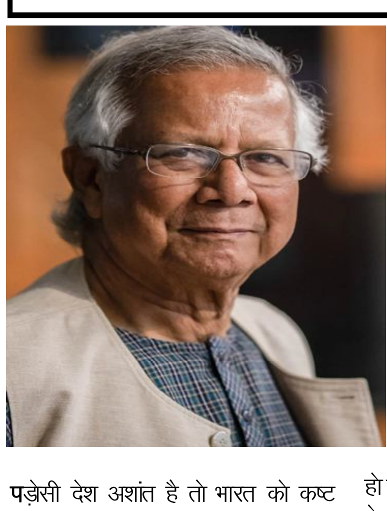

पड़ोसी देश अशांत है तो भारत को कष्ट होता है। बांग्लादेश हमारा पड़ोसी मुल्क है जहां अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथियों के दबाव में आ गये हैं। पहले उन्होंने जनता से वादा किया था कि तीन महीने के अंदर चुनाव करवाएंगे लेकिन अब वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के प्रभाव में हैं जिन पर पाकिस्तन का ज्यादा प्रभाव है। कट्टरपंथी दबाव के चलते ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब चुनाव टालने की बात कह रहे हैं। गत दिनों देश के नाम संदेश में मोहम्मद यूनुस ने कहा कि देश में आम चुनाव 2025 की पहली छमाही में हो सकते हैं या फिर 2026 की शुरुआत में होंगे। वह कहते हैं कि हमने देश में होने वाले सुधारों के क्रियान्वयन को लेकर एक अयोग गठित किया है। चुनाव से ज्यादा सुधार जरूरी हैं। इस प्रकार चुनाव टालने का प्रयास हो रहा है। इसके साथ ही हिन्दुओं पर अत्याचार भी बढ़ रहा है। सरकार दिखावे के लिए कार्रवाई भी कर रही है।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार कट्टरपंथी तत्वों के बेहद दबाव में है यही वजह है कि वहां अल्पसंख्यक खास कर हिन्दू समुदाय का जीवन दुश्वार हो गया है। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के मामले में बांग्लादेश सरकार ने एक्शन लेने की शुरुआत की है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने ऐसे 4 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर हिंदू मंदिर और हिंदू समुदाय के लोगों के घरों में तोड़फोड़ करने का आरोप है। हालांकि जानकार लोग इस कार्रवाई को महज खानापूर्ति बता रहे हैं वहां पुलिस और सेना की मौजूदगी में हिन्दू समुदाय के लोगों पर कट्टरपंथी कहर ढा रहे हैं।

आप को बता दें कि बांग्लादेश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 4 आरोपियों की गिरफ्तारी उत्तरी बांग्लादेश के सुनामगंज जिले से की है। पुलिस ने 12 नामजद लोगों के अलावा 150 से 170 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पकड़ गए चारों आरोपियों के नाम अलीम हुसैन (19), सुल्तान अहमद राजू (20), इमरान हुसैन (31) और शाहजहां हुसैन (20) बताए जा रहे हैं। इन पर सुनामगंज जिले के दोराबाजार इलाके में तोड़फोड़ करने का आरोप है। दें कि 3 दिसंबर को बांग्लादेश के सुनामगंज जिले के आकाश दास ने एक फेसबुक पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद जिले में तनाव पैदा हो गया था। हालांकि, आकाश ने बाद में पोस्ट डिलीट कर दिया था. लेकिन, उपद्रवियों ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट शेयर करने शुरू कर दिए थे, जिसके कारण इलाके में हिंसा भड़क गई थी।

हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि हम बांग्लादेश सरकार से उम्मीद करते हैं कि वो अल्पसंख्यकों की सुरक्षा देगी। वहां अल्पसंख्यकों के साथ जो कुछ भी किया जा रहा है वो परेशान करने वाला है। एस जयशंकर का यह बयान उस वक्त आया जब एक 17 साल की हिंदू बांग्लादेशी लड़की नदी तैरकर अवैध रूप से भारत में घुस गई थी। इस लड़की का कहना था कि इस्कॉन भक्त होने की वजह से उसे वहां कट्टरपंथी परेशान कर रहे थे।

विदित है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से हिंदुओं के खिलाफ धार्मिक हिंसा के मामले लगातार बढ़े हैं। सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज्म एंड ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट के मुताबिक 5 से 9 अगस्त के बीच ही बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ लूटपाट की 190 घटनाएं सामने आई थीं। साथ ही 32 घरों में आगजनी, 16 मंदिरों में तोड़–फोड़ और यौन हिंसा के 2 मामले सामने आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक 20 अगस्त तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के कुल 2010 मामले सामने आए। हिंदू परिवारों पर हमले के 157 और मंदिरों के अपमान के 69 मामले शामिल थे। दुर्गा पूजा के दौरान भी बांग्लादेश में पंडालों को निशाना बनाया गया था। इसके अलावा मूर्तियों को खंडित करने की कई घटनाएं भी दर्ज की गई थीं। कुछ दिन पहले बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन नमहट्टा सेंटर को जला दिया गया था। हमले में श्री श्री लक्ष्मी नारायण देवता की मूर्तियों समेत मंदिर का सामान पूरी तरह से जल गया था।राजद्रोह के आरोप में यूनुस सरकार ने इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर को गिरफ्तार किया था। चिन्मय प्रभु पर उनकी एक रैली के दौरान नेशनल फ्लैग (राष्ट्रध्वज) के अपमान का आरोप लगा था। ये रैली 25 अक्टूबर को चटगांव के लाल दीघी मैदान में हुई थी।ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने पोस्ट करने वाले आकाश दास को उसी दिन हिरासत में ले लिया था. पोस्ट से भड़के उपद्रवियों ने उसे उसी दिन पुलिस की हिरासत से छीनने को कोशिश भी की थी. हालांकि, सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने आकाश को दोराबाजार की जगह सदर पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर कर दिया था। गुस्साए उपद्रवियों ने उस दिन ही लोकनाथ मंदिर और हिंदू समुदाय के घरों–दुकानों पर हमला किया था। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध उस समय तनावपूर्ण हो गए थे, जब शेख हसीना 5 अगस्त को छात्रों के विरोध–प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर भारत आ गई थीं। हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद वहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार सत्ता संभाल रही है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं पर हमले एकदम से बढ़ गए हैं। वहां, हिंतुओं और खासतौर पर इस्कॉन के सदस्यों को निशाना बनाया जा रहा है। कुछ दिनों पहले बांग्लादेश की पुलिस ने बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया था, जो अब भी जेल में हैं। रैली के बाद ठछच नेता फिरोज खान ने चिन्मय प्रभु और अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। दरअसल रैली के दौरान कुछ लोगों ने आजादी स्तंभ पर बांग्लादेश के नेशनल फ्लैग से ऊपर सनातन जागरण मंच का ध्वज फहरा दिया था। बांग्लादेश में नेशनल फ्लैग से ऊपर कोई और फ्लैग फहराना देशद्रोह माना जाता है।संत चिन्मय कृष्ण दास ने बांग्लादेशी हिंदुओं पर हुए अत्याचार के खिलाफ लोगों को एकजुट किया था।चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में हिंसा फैल गई थी। इस हिंसा में एक वकील की भी मौत हुई थी। वकील की मौत के बाद एक बार फिर चिन्मय प्रभु और अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

बांग्लादेश के विजय दिवस पर हसीना ने यूनुस को घेरा

बांग्लादेश आज विजय दिवस मना रहा है। आज ही के दिन 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन प्रमुख जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ 13 दिन के युद्ध के बाद भारतीय सेना और 'मुक्ति वाहिनी' की संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बना था। बांग्लादेश की विजय दिवस पर की पूर्व संध्या पर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने यूनुस को धोखे से सत्ता पर काबिज होने का आरोप लगाया है साथ ही उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार में महंगाई से जनता का बुरा हाल है। दरअसल, बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर एक और हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूनुस एक ऐसे अलोकतांत्रिक समूह का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसकी लोगों के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। मोहम्मद यूनुस एक फासीवादी सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनुस की नेतृत्व वाली सरकार का मुख्य उद्देश्य मुक्ति संग्राम और मुक्ति समर्थक ताकतों की भावना को दबाना है।

हसीना ने यूनुस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बांग्लादेश के लोग बढ़ती कीमतों के बोझ तले दबे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'चूंकि यह सरकार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई नहीं है, इसलिए लोगों के प्रति उनकी कोई जवाबदेही नहीं है। उनका मुख्य उद्देश्य मुक्ति संग्राम और मुक्ति समर्थक ताकतों की भावना और उनकी आवाज को दबाना है।' हसीना ने अपने बयान में कहा कि 'राष्ट्र विरोधी समूहों' ने असंवैधानिक तरीके से सत्ता पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा, 'फासीवादी यूनुस के नेतृत्व वाले इस अलोकतांत्रिक समूह की जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'वे सत्ता पर कब्जा कर रहे हैं और सभी जन कल्याण कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।'

कब्जे वाले क्षेत्र में आबादी बढ़ाएंगे नेतन्याहू

इजरायल अब आबादी बढ़ाने की पॉलिसी पर काम कर रहा है। बेंजामिन नेतन्याहू यह आबादी अपने मेनलैंड नहीं बल्कि कब्जे वाले क्षेत्र में बढ़ाना चाहते हैं। सीरिया सीमा से सटे 'गोलान हाइट्स' के लिए यह स्पेशल प्लान बनाया गया है।

इजरायली सरकार ने गोलान हाइट्स पर अपनी आबादी को दोगुना करने का निर्णय लिया। बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने इसके लिए 11 मिलियन डॉलर यानी 93.31 करोड़ रुपये के बजट पर भी अपनी मुहर लगा दी है। इजरायल के इस कदम से मिडिल ईस्ट के देशों में खलबली मच गई है। गोलान हाइट्स इजरायल के कब्जे वाला वो क्षेत्र है, जिसे 1967 के युद्ध में सीरिया से हथिया लिया गया था। सीरिया तब जंग हार गया और वो इजरायल के सामने कुछ नहीं कर पाया। इसके बाद साल 1981 में इजरायल ने इसे क्षेत्र को अपने देश में मिला लिया था। यह पूरा क्षेत्र पठार से घिरा हुआ है और रणनीतिक रूप से काफी अहम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक गोलान हाइट्स की कुल आबादी 55 हजार है, जिसमें करीब 24 हजार मुस्लिम और 31 हजार यहूदी शामिल हैं। इजरायल ने इस क्षेत्र में तेजी से यहूदी आबादी को बसाया है। पड़ोसी देश सीरिया में एक सप्ताह पहले ही राष्ट्रपति बशर अल–असद की सरकार गिर गई थी। असद को विद्रोह के बीच देश छोड़कर भागना पड़ा। ऐसे में जल्दी ही विद्रोही सत्ता में आकर सरकार में काबिज हो जाएंगे। इसके बावजूद भी इजरायली सरकार सीरिया को हल्के में लेने के मूड में नहीं है। मौके का फायदा उठाते हुए इजरायल ने यह बड़ा रणनीति कदम उठाया है।

साल 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गोलान पर इजरायल की संप्रभुता के लिए अमेरिकी समर्थन की घोषणा की, लेकिन अधिकांश देशों ने इस कब्जे को मान्यता नहीं दी है। सीरिया ने इजरायल से वापसी की मांग की, लेकिन इजरायल ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया। इजरायल के इस कदम के बाद सऊदी अरब इसकी आलोचना की। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू सरकार का यह कदम सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने की संभावनाओं को चोट पहुंचाने वाला है।

चीन के ड्रीम प्रोजेक्ट पर खतरा

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ड्रीम प्रोजेक्ट पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। बीआरआई यानी बेल्ट रोड इनिशिएटिव की महत्वकांक्षी परियोजना के तौर पर चीन पाकिस्तान में सीपीईसी बना रहा है। म्यांमार में भी एक ऐसा ही इकॉनोमिक कॉरेडोर का काम जारी है। जिसका नाम है चाइना म्यांमार इकॉनोमिक कॉरेडोर (सीएमईसी)। लेकिन अब ये कॉरेडोर विद्रोहियों के निशाने पर है। पिछले कुछ सालों में इन प्रोजेक्ट पर कई हमले भी हुए। म्यांमार में 2021 से सेना सत्ता पर काबिज है और लगातार देश गृह युद्ध में फंसा हुआ है। सेना के खिलाफ कई विद्रोही गुट लड़ रहे हैं। देश में हिंसा बढ़ती जा रही है। इससे चीन के प्रोजेक्ट पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं।इसी नवंबर में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने म्यांमार के सैन्य नेताओं से मुलाकात की। म्यांमार के जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने चीन का दौरा किया। चूंकि चीन म्यांमारी सेना का समर्थन कर रहा है तो विद्रोहियों के वो सीधे निशाने पर आ गया है। ठीक वैसे ही जैसे पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों के निशाने पर चीनी प्रोजेक्ट और उनके लोग हैं। चीन ने अपने प्रजेक्ट और लोगों की सुराक्षा के लिए खुद के सुरक्षाबलों को तैनात करने का फैसला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन म्यांमार की सेना के साथ मिलकर एक सिक्योरिटी कंपनी बनाने जा रहा है जिसका मकसद होगा चीन के निवेश और लोगों की सुरक्षा करना है। ये काम चीन इसलिए कर रहा है म्यांमार की सेना सुरक्षा दे पाएगी, इसका उसे भरोसा नहीं।

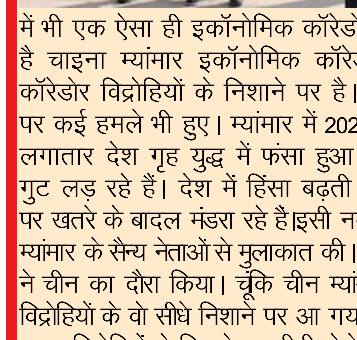

म्यांमार चीन के लिए साउथ एशिया और साउथ इस्ट एशिया के बीच में पड़ने वाला एक अहम देश है। 2019 से 2030 तक के बीच चीन आर्थिक सहयोग के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रिकल्चर, ट्रांसपोर्ट, ह्यूमन रिसोर्सेज, टैंकॉलेजी और टैलिकॉम के क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्लान पर काम कर रहा है।

52वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का शुभारम्भ

-चार दिवसीय प्रदर्शनी में प्रदेश के सभी 18 मंडलों के 504 बाल वैज्ञानिक विद्यार्थियों के साथ उनके शिक्षक करेंगे प्रतिभाग

अयोध्या(एजेंसी)। 52वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी शहर के एस एस वी इंटर कॉलेज में 17 दिसंबर को भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू होगी। चार दिवसीय इस प्रदर्शनी में प्रदेश के सभी 18 मंडलों के 504 बाल वैज्ञानिक विद्यार्थियों के साथ उनके शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान के निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी, संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेंद्र कुमार सिंह, उप शिक्षा निदेशक डॉ ओम प्रकाश गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडेय, वित्त एवं लेखाधिकारी (माध्यमिक) अनुपम कुमार सहित विद्यालय के प्रधानाचार्यध्संयोजक डॉ. मणि शंकर तिवारी प्रदर्शनी के मार्गदर्शक मंडल में है।

प्रदर्शनी के संयोजक व विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने आयोजन स्थल पर आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि "सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी" विषयक इस प्रदर्शनी में बाल वैज्ञानिक क्रियाकारी एवं स्थिर मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शनी का उद्घाटन 17 दिसंबर की दोपहर 12:30 बजे होगा जबकि विज्ञान संगोष्ठी 18 दिसंबर की शाम 5:00 बजे से आयोजित होगी। संगोष्ठी का विषय "सतत स्वास्थ्य एवम भविष्य के लिए श्रीअन्न" है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी का समापन 20 दिसंबर की सुबह 11:00 बजे होगा। जिसमें सफल मेधावी और उत्कृष्ट बाल वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया जाएगा। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय कि कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल होंगी। आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता अयोध्या मंडल के मंडलायुक्त गौरव दयाल करेंगे।

प्रधानाचार्य डॉ. तिवारी ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले बाल वैज्ञानिक बालक वर्ग के लिए आदर्श इंटर कॉलेज, फॉर्ब्स इंटर कॉलेज, राजकरण इंटर कॉलेज और मनोहर लाल इंटर कॉलेज जबकि बालिका वर्ग के लिए बापू बालिका इंटर कॉलेज, साहबदीन सीताराम इंटर कॉलेज व मेथाडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज को आवास स्थल बनाया गया है। उन्होंने बताया कि आवास स्थल से संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण प्रताप सिंह, रियाल अहमद, डॉ. शिव कुमार मिश्रा, जितेंद्र कुमार राय, नीलम गुप्ता, ममता निषाद और रूही पाल प्रभारी हैं। प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए मार्गदर्शक, अनुश्रवण, आवास, मंच, अनुशासन, प्रदर्शनी अवलोकन, प्रमाण पत्र लेखन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भोजन, कक्ष व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं प्राथमिक सहायता सहित 20 से अधिक समितियां बनाई गई हैं। इस मौके पर राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान प्रयागराज से डॉ. ममता दुबे, मंजूषा, सुदामा प्रसाद मौजूद रहे।

फैजाबाद बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव

-12 पदों पर 49 प्रत्याशी चुनाव मैंदान में

अयोध्या(एजेंसी)। फैजाबाद बार एसोसिएशन अयोध्या के वार्षिक चुनाव के अन्तिम दिन सोमवार को प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष व महामंत्री समेत 12 पदों के प्रत्याशियों ने सारी ताकत झोंक दी है। सभी प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के साथ डोर–टू–डोर कमिश्नरी से लेकर कचेहरी तक मतदाताओं के बींच में जनसम्पर्क किया। वहीं चुनाव अधिकारी एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन जोखू प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में आचार्य नरेन्द्रदेव सभागार में प्रत्याशियों की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। चेयरमैन ने कहा कि 17 दिसम्बर को होने जा रहे मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बींच होंगे। सभी प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों को मतदेय स्थल से 20 मीटर दूरी पर रहने का निर्देश दिया है। बाहरी लोगों को मतदान स्थल पर न आने की हिदायत दिया है अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मतदान स्थल के समीप पुलिस की कड़ी चौकसी होगी। 12 पदों पर 49 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं जिन्हें 2379 मतदाता अपने मतदाधिकार का प्रयोग करेंगे।फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे 9 प्रत्याशियों के बींच कड़ा मुकाबला है। इनके बब्बन प्रसाद चौबे, वाईबी मिश्र, अरविंद सिंह, सुरेन्द्र नाथ मिश्र उर्फ बब्लू, मंसूर इलाही, सूर्य नारायन सिंह, रामशंकर यादव व राजीव पाण्डेय के बींच कड़ी टक्कर है। उपाध्यक्ष पद पर राजेश कुमार उपाध्याय, चन्द्रभान सिंह, सुशील कुमार मिश्र उर्फ चुन्नू, दूधनाथ मिश्र, सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय व गोपाल उपाध्याय के बींच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। महामंत्री पद पर गिरीश चन्द्र तिवारी, शैलेन्द्र कुमार जायसवाल, विनोद कुमार सिंह, राजेश कुमार यादव, विनोद चन्द्र पाण्डेय, मनोज कुमार सिंह, रवीन्द्र कुमार वर्मा, शेषकुमार तिवारी व अजय श्रीवास्तव के बींच चुनाव जीतने के लिए कड़ा संघर्ष है। कोषाध्यक्ष के पद पर चार प्रत्याशियों के बींच मुकाबला है। इनमें मो. इस्माइल सिद्दीकी, अशोक कुमार दूबे, जय प्रकाश पाल व वीरेन्द्र कुमार मिश्र है। संयुक्त मंत्री प्रथम के पद पर मनोज कुमार सिंह, ऋषि कुमार मिश्र, संतोष कुमार व भगवत प्रसाद पाण्डेय के बींच कांटे की लड़ाई है। संयुक्त मंत्री द्वितीय के पद पर अखंड प्रताप यादव, राकेश कुमार चौरसिया, राजीव तिवारी व अजय श्रीवास्तव के बींच भी मुकाबला दिलचस्प है। कार्यकारिणी ए के पद पर रामचन्द्र यादव, पूर्णिमा सिंह व दिलीप कुमार मिश्र के बींच संघर्ष देखा जा रहा है जबकि कार्यकारिणी बी के पद पर बद्री प्रसाद यादव, अरविंद कुमार पाण्डेय, ममता सिंह, विपिन कुमार यादव व दुर्गा प्रसाद सिंह चुनाव मैदान में हैं। कार्यकारिणी सी के पद पर माधव कृष्ण पाण्डेय उर्फ लकी, मो. सलीम नैयर, मयंक कुमार तिवारी, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव गोपाल त्रिपाठी के बींच कड़ा मुकाबला है।

एलएसडीपी पब्लिक स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स मीट का हुआ आयोजन

-विद्यार्थियों में 21 साईकिल व दो हजार गरीबों को वितरित किया गया कंबल

रुदौली–अयोध्या(एजेंसी)। शिक्षा क्षेत्र रुदौली के एल.एस.डी.पी पब्लिक स्कूल गौरियामऊ मे एनुवल स्पोर्ट्स मीट के समापन व विद्यालय संस्थापक समाजसेवी धर्मदत्त पाठक के जन्मदिवस के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,इस दौरान विद्यालय संस्थापक समाजसेवी द्वारा दो हजार कंबल का वितरण भी किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक धर्मदत्त पाठक व मुख्य अतिथि रौजागांव चीनी मिल के सीजीएम केन ह्दयाल सिंह व प्रबंधक अनिल पाठक ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम मे बच्चो ने मनमोहक प्रस्तुति दी। विद्यालय के बच्चों ने समाजसेवी धर्मदत्त पाठक के जीवन चक्र पर आधारित नाटक का भी मंचन किया, जिसे देखकर उपस्थित अभिभावकों की आंखे भर आई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीओ आशीष निगम, रौजागांव चीनी मिल के सीजीएम केन हरदयाल सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप मे कोतवाल संजय मौर्य व इंक्पेक्टर शत्रुघ्न यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा मे चयनित प्रत्येक कक्षा पांच से कक्षा 12 तक प्रथम स्थान पर चयनित बच्चों को रेंजर साइकिल, द्वितीय स्थान पर चयनित बच्चों को साधारण साईकिल व तृतीय स्थान पर चयनित बच्चों को हाथ की घड़ी देकर उत्साह वर्धन किया गया। इसके अतिरिक्त एक माह तक विद्यालय मे आयोजित विभिन्न इंडोर व आउटडोर खेल जैसे चेस, जेवलिन थ्रो, जुडो, शार्ट पुट,मेडिसिन बॉल सहित एक दर्जन से अधिक खेलों मे प्रत्येक क्लास से चयनित बच्चो को उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम मे विद्यालय के प्रधानाचार्य आदित्य पाठक ने स्कूल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया व विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। बच्चो द्वारा बनाई गईं साइंस गैलरी इस दौरान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यालय संस्थापक ने बताया कि बच्चो के सर्वांगीण विकास व जरूरतमंद की मदद का यह कार्य अनवरत रूप से चलता रहेगा। कार्यक्रम मे देवकाली मंदिर के महंत सुनील पाठक,दिनेश कांत,रत्नेश तिवारी,आशीष शर्मा,उपप्रधानाचार्य आर बी सिंह,श्रीप्रकाश पाठक,वी.के. गोस्वामी,जुफिशा राहत,सलोनी सिंह,आदित्य शर्मा,आशीष यादव,अमरदीप मिश्र,राहुल देव,प्रदीप राजभर सहित अन्य उपस्थित रहे।

मां सरस्वती को जो अपना लिया वह किसी भी परीक्षा में फेल नहीं हो सकता: तहसीलदार

खजनी। तहसील क्षेत्र स्थित राजकीय हाई स्कूल बारी गांव में संवाद एवं कैरियर मेला आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि तहसीलदार कृष्ण गोपाल त्रिपाठी ने किया। मेले में विभिन्न शैक्षिक और कौशल प्रशिक्षण से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे, जिनका मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने अवलोकन किया। तहसीलदार ने छात्रों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा, ष्जो मां सरस्वती को अपना लिया, वह कभी भी परीक्षा में फेल नहीं हो सकता।ष उन्होंने आगे कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित रहते हैं। छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, ष्परवाज वही करते हैं जिनके इरादों में जान होती है।ष उनका यह संदेश छात्रों और अभिभावकों के बीच गूंज उठा। प्रधानाचार्य डॉ. रमेश पटेल ने पंख पोर्टल और कैरियर हब के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृपा बिहारी त्रिपाठी, नरेंद्र कुमार यादव और संतोष पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन मुन्ना सिंह ने किया।

भा.ज.पा. मण्डल अध्यक्ष चुनावरू उनवल में दस प्रत्याशियों ने किया नामांकन

गोरखपुर उनवल। भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मंगलवार को उनवल मण्डल अध्यक्ष पद के लिए दस प्रत्याशियों ने चुनाव अधिकारी जिला महामंत्री गोरखपुर सदानंद शर्मा के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन करने वालों में सचिंद्र नाथ मिश्रा, हरि धर दुबे, इंद्र कुमार निगम, अश्वनी कुमार सिंह, योगेश वर्मा, अनूप सिंह एडवोकेट, हरिशंकर तिवारी, प्रदीप कुमार सिंह, अमित राम त्रिपाठी, और विजय कुमार तिवारी शामिल हैं। चुनाव अधिकारी अब नामांकन पत्रों की जांच करेंगे और पार्टी की नीतियों के अनुसार किसी एक नाम की घोषणा करेंगे। यदि आवश्यकता पड़ी तो चुनाव भी कराए जाएंगे।

गोला क्षेत्र में अवैध खनन का धंधा जोर पकड़ चुका है

गोला, गोरखपुर गोला क्षेत्र में अवैध खनन का धंधा दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अवैध खनन की गतिविधियां रातभर चलती हैं, और इन खनन वाहनों के पीछे सुरक्षा कर्मी भी सक्रिय रहते हैं। क्षेत्र में अवैध खनन के इस धंधे में कुछ सरकारी अधिकारियों का भी समर्थन बताया जा रहा है, जिससे यह धंधा दिन–ब–दिन फल–फूल रहा है। स्थानीय प्रशासन द्वारा इस पर अंकुश लगाने के कई आदेश जारी किए गए, लेकिन खनन माफिया पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। क्षेत्रवासियों में इस अवैध खनन के चलते भारी असंतोष व्याप्त है और यह सवाल खड़ा हो गया है कि प्रशासन इस पर कब तक कार्रवाई करेगा।

डीएम ने बाल विकास विभाग की किया समीक्षा बैठक

-आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के चयन प्रक्रिया को तत्काल पूर्ण करने का दिया निर्देश

अयोध्या(एजेंसी)जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में बाल विकास विभाग की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में जनपद में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के 156 पदों पर सीधी भर्ती के सम्बन्ध में चल रही कार्यवाही की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने तत्काल चयन प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से पोषण को जन–आंदोलन बनाने व बच्चों को खेल–कूद के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने संबंधी 'पोषण भी पढ़ाई भी' कार्यक्रम की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना' जो पूर्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित की जा रही थी, का हस्तांतरण अब बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, विभाग को किया जा चुका है। इस योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थी को पहले दो जीवित बच्चों (द्वितीय संतान बालिका होने पर) के जन्म पर प्रसूता को वित्तीय सहयोग दिया जाता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि इस योजना के क्रियान्वयन हेतु लक्षित लाभार्थियों का निर्धारण कर योजना का लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया जाये। इस योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार भी किया जाये। सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं मुख्य सेविकाओं को लक्ष्य दिये जाये और कार्य में प्रगति लायी जाये। मुख्य चिकित्साधिकारी को 'मातृ शिशु रक्षा कार्ड (एमसीपी कार्ड) पर पंजीकरण संख्या अवश्य दर्ज कराने को भी निर्देशित किया गया। मेडिकल कालेज दर्शन नगर में पृथक वार्ड से संचालित, अतिकुपोषित बच्चों का वार्ड जिसे पोषण पुनर्वास केन्द्र के नाम से जाना जाता है, में अतिकुपोषित बच्चों के ऐडमिट की स्थिति से अवगत कराते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विगत माह नवम्बर 2024 में कुल 21 सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र संदर्भित किया गया। समिति को अवगत कराया गया कि पोषण पुनर्वास केन्द्र में सैम बच्चों को दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से लाने के लिए तो एम्बुलेंन्स अथवा आर0बी0एस0के0 के वाहन आदि की व्यवस्था तो हो जाती है किन्तु डिस्चार्ज होने के पश्चात वापस जाने के लिए किसी वाहन की व्यवस्था नहीं हो पाती है जिसके लिए जिलाधिकारी द्वारा अलग से प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद अयोध्या में पूर्व से चिन्हित अतिकुपोषित बच्चों के पोषण पुनर्वास केन्द्र (एन0आर0सी0) से वापस लौटने के पश्चात सम्बन्धित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा फालोअप की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने चिकित्सीय जटिलता से ग्रस्त सैम बच्चों का विवरण अलग से प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया तथा सभी एन0आर0सी0 से वापस लौटे बच्चों का चार माह तक फालोअप सुनिश्चित कराया जाय। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा अतिकुपोषित बच्चों के घर गृह भ्रमण को परिणाम उन्मुख बनाने, गुणवत्तापूर्ण वजन कराने व पोषण स्तर के चिन्हांकन में गुणवत्ता लाने तथा बाल विकास परियोजना अधिकारी व मुख्य सेविका के निरीक्षणों की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर बाल विकास विभाग की गहन समीक्षा की गई। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 03 से 06 वर्ष के लाभार्थियों को गर्म पका–पकाया भोजन दिये जाने सम्बन्धी हॉट कुक्ड मील योजना के सम्बन्ध में समिति को अवगत कराया गया कि जनपद के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर इस योजना का संचालन किया जा रहा है।

स्वावलंबी भारत अभियान की हुई प्रांतीय कार्यशाला

- 5 से 12 जनवरी तक राम कथा पार्क में होगा स्वदेशी मेला का आयोजन

अयोध्या(एजेंसी) स्वदेशी जागरण मंच (स्वावलंबी भारत अभियान) अवध प्रान्त के द्वारा जिला सहकारी बैंक अयोध्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आर्थिक विषयों के 11 संगठन के समवन्य से स्वावलंबी भारत अभियान की प्रांतीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. राजीव कुमार,अखिल भारतीय विचार प्रमुख,स्वदेशी जागरण मंच, ने बताया कि 12 जनवरी 2024 से देश एवं सभी प्रदेशों में उद्यमिता आयोग के गठन को लेकर डिजिटल हस्ताक्षर का महाअभियान चलाया जाएगा जो देश के 500 से अधिक जिलों में एक करोड़ से अधिक लोगों के मध्य चलाया जाएगा स उन्होंने राष्ट्र की 38 करोड़ युवाओं की मानसिकता बदलकर नौकरी से उद्यम की ओर आगे बढाने पर जोर दिया साथ ही साथ जैविक उद्यमिता स्वदेशी का प्रचार – प्रसार, जिला आधारित उद्योग का प्रचार , तथा नई शिक्षा नीति में उद्यमिता के विषय में प्रकाश डाला , उन्होंने बताया जनसंख्या दर की घटती समस्या पर बताया हंगरी, कोरिया, जापान युवा जनसंख्या की कमी से जूझ रहे हैं, अतः हमारे युवाओं को ज्थ्त् (कुल प्रजनन दर) दो से ऊपर रखना अति आवश्यक है। उन्होंने ने कहा कि कोरोना काल के पश्चात प्रत्येक भारतीय को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से पूरे भारत वर्ष में स्वावलंबी भारत अभियान की मुहिम चलाई जा रही है। मुख्या अतिथि श्री राम मंदिर के महंत जयराम दास ने कहा कि हमारे समाज में कई उदाहरण है जिन्होंने जमीन से शुरुआत कर ऊंचाई को छुआ है और उन्होंने समाज को अपने अनुभव से जायेगा। महानगर संघचालक डॉक्टर विक्रम प्रसादपांडे ने कहा स्वावलंब भारत अभियान को धरातल पर लाने के लिए जिला स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। जिले के विश्व विद्यालय, महाविद्यालय को जोड़कर इस अभियान को सफल बना सकते है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिलाओ को भी इसमें भागीदारी निभानी पड़ेगी। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख जय प्रकाश सिंह ने कहा कि सृजनशील लोगों की नई सोच ने पूरे विश्व में नए–नए क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया है। हमें भी अपने युवाओं को चिंतनशील बनाने की आवश्यकता है जो कि नए सोच को विकसित करके हम भारत को नए युग में ला सकते है। नौकरियों से देश नहीं बनता है। देश को बनाने के लिए स्वरोजगार की आवश्यकता होती है। स्वावलंबी भारत अभियान के बारे में विस्तार से बताया कि किस प्रकार से इस अभियान को लोगों तक पहुंचाना है। इस कार्यशाला को पुष्कर दत्त तिवारी जिला सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ,आभा सिंह सेवा भारती से , वनवासी कल्याण आसान से सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, सक्षम से अशोक त्रिवेदी, ने भी संबोधित किया। इस कार्यशाला का संचालन राजीव श्रीवास्तव ने किया और धन्यवाद का ज्ञापन जिला संयोजक अनिरुद्ध पांडे सुनील जी ने दिया। इस कार्यशाला में अयोध्या,लखनऊ,बाराबंकी, अंबेडकर नगर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, हरदोई, सीतापुर,रायबरेली, जिलों से प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। स्वावलंबी भारत अभियान अवध प्रांत के संयोजक हर्षवर्धन, सह संयोजक डी एन तिवारी, विशेष संपर्क प्रमुख डॉक्टर आनंद दिक्षित डॉक्टर अनिल प्रकाश शुक्ला डॉक्टर संजय उपाध्याय अभिषेक सिंह कुलदीप खरे अनूप श्रीवास्तव डॉक्टर अविनाश मनोज मिश्रा अभिनेश त्रिवेदी क सिंह सुनील राजीव श्रीवास्तव आदि लोक उपस्थित रहे ।

जनपद के 13 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी परीक्षा

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा सम्मिलित राज्य, प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा–2024 आगामी 22 दिसम्बर 2024 रविवार को दो पालियों में आयोजित किया जा रहा है। परीक्षा को जनपद मीरजापुर में सकुशल, शान्तिपूर्ण व नकलविहीन सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह सहित परीक्षा केन्द्रो के प्राचार्य, केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि जनपद के 13 विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है जिसमें बिनानी पीजी कालेज भरूहना, बीएलजे इण्टर कालेज मुकेरी बाजार, आर्य कन्या पाठशाला इण्टर कालेज मीरजापुर, माता प्रसाद माता भीख इण्टर कालेज घण्टाघर, जुबली इण्टर कालेज रमईपट्टी, बंसत इण्टर कालेज मुसफ्फरगंज, शिव इण्टर कालेज डंकिनगंज, राजकीय इण्टर कालेज महुवरिया, राजस्थान इण्टर कालेज देवपुरवा, विन्ध्य विद्यापीठ इण्टर कालेज स्टेशन रोड विन्ध्याचल, सुन्दर मुन्दर जायसवाल नगर पालिका बालिका इण्टर कालेज बाजीराव कटरा, काशीराम बालिका इण्टर कालेज मुसफ्फरगंज तथा पालीटेक्निक रीवा रोड बथुआ निकट शीतला माता मन्दिर मीरजापुर, दो सत्रो में यथा पूर्वान्ह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं अपरान्ह 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित किए जाएगें। परीक्षा के प्रश्नपत्रो के सील्ड बंडलो को जनपद में आने पर कोषागार में डबल लाक में रखवनो की व्यवस्था जिलाधिकारी के निर्देश पर किया गया हैं। नकलविहीन, सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु 13 सेक्टर मजिस्ट्रेटों अलावा प्रत्येक केन्द्रों पर एक–एक स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई हैं, इसके अतिरिक्त रिजर्व सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट रखे जाएगें। जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी अधिकारी किसी भी दशा में अपना मोबाइल स्विच आफ नही रखेंगे। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को यह भी निर्देशित किया गया है कि 22 दिसम्बर 2024 परीक्षा के दिन प्रातः 5:30 बजे व 10:30 बजे से कोषागार मीरजापुर मीरजापुर में पहुंचकर प्रश्नपत्र की सील्ड बंडल एवं चाभियों के पैकेट को प्राप्त कर आरक्षीगण के साथ निर्धारित परीक्षा केन्द्र के केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक की उपस्थिति एवं लाइव सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में उपलब्ध करायेंगे। समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा के एक दिन पूर्व आवंटित परीक्षा केन्द्र की तैयारी का भौतिक सत्यापन कर यह सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्र द्वारा आयोग के अनुरूप परीक्षा सम्बंधी समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए निर्देशित करते हुए कहा गया कि परीक्षा प्रारम्भ होने के निर्धारित समय से 45 पूर्व ही केन्द्र में प्रवेश पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। अतएव प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को पूर्वान्ह 8 बजे से परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश प्रारम्भ कराया जाएगा तथा 8:45 के उपरान्त किसी भी दशा में परीक्षा केन्द्र के अन्दर परीक्षार्थी अथवा कोई भी अध्यापक को प्रवेश नही होने दिया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय पाली में दोपहर एक बजे से 1:45 बजे तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पा सकेंगे इसके बाद किसी को परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश की अनुमति नही दी जाएगी अतएव सभी परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान देते हुए अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

ग्रामीणों के लंबे संघर्ष पर लगी मुहर, कम्पनी घाट रोड का जल्द होगा निर्माण

मीरजापुर(एजेंसी)(एजेंसी)। जिले के सदर तहसील क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित कम्पनी घाट रोड के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है,जल्द ही पूरी सड़क का निर्माण कराया जाएगा. इसके लिए संबंधित महकमें द्वारा कार्रवाई जोर–शोर से प्रारंभ कर दिया है. बताते चलें कि क्षेत्रवासियों के अथक सहयोग से कोल्हूआ से कम्पनी घाट रोड का निर्माण कराएं जाने को लेकर ग्रामीण संघर्ष समिति द्वारा अभियान शुरू किया गया था. समिति के संयोजक मनीष दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि ‍ॅक विभाग द्वारा वित्तीय लेखा जोखा तैयार कर सड़क निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया है. जल्द ही काम शुरू होने वाला है. बताया जा रहा है कि सदर तहसील क्षेत्र के कोन विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत

कोल्हूआ से कम्पनी घाट रोड कई वर्षों से उपेक्षित चला आ रहा था. जिसके निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने जन प्रतिनिधियों से लेकर शासन प्रशासन तक गुहार लगाई थी. कोई कार्रवाई न होता देख ग्रामीणों ने संघर्ष समिति का गठन कर सड़क निर्माण के लिए आंदोलन छेड़ दिया था. जिसका असर यह हुआ कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया को जल्द ही प्रारंभ होने की बात कहते हुए लोक निर्माण विभाग ने वित्तीय लेखा जोखा तैयार कर निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया है. मनीष दुबे बताते हैं कि यह कार्य क्षेत्रवासियों के अथक सहयोग और ग्रामीण संघर्ष समिति के निरंतर प्रयासों से संभव हो पाया है. गौरतलब हो कि ग्रामीण संघर्ष समिति के संयोजक मनीष दुबे के नेतृत्व में इस मुद्दे पर कई महीनों से आंदोलन और प्रदर्शन किए गए, जिसपर प्रशासन को इस महत्वूपर्ण रोड के निर्माण के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित किया गया. ग्रामीण संघर्ष समिति ने इस मुद्दे पर निरंतर जोर दिया था और इस पर कई बार स्थानीय प्रशासन से संवाद भी स्थापित किया था. समिति के संयोजक मनीष दुबे ने बताया कि ‍ॅक विभाग के अधिकारी द्वारा पता लगा कि मामले की वित्तीय लेखा जोखा तैयार की जा रही है और जल्द ही टेंडर संबंधित कार्यवाही करके निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने हर्ष जाहिर करते हुए अपने सहयोगी जनों और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है. कहा यह संघर्ष सभी क्षेत्रवासियों की मेहनत का परिणाम है. हमें खुशी है कि अब क्षेत्र के लोग बेहतर यातायात सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे, उन्होंने कहा इस सड़क के निर्माण से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा. अब यह सड़क क्षेत्रवासियों के लिए एक नई उम्मीद का प्रतीक बनकर उभरेगी.

विद्यार्थियों ने चौरी चौरा शहीद स्मारक का किया शैक्षणिक भ्रमण

चौरीचौरा । कबूतरी देवी राजेश्वर त्रिपाठी स्मारक पीजी कॉलेज, सोनबरसा बाजार के विद्यार्थियों ने मंगलवार को चौरी चौरा शहीद स्मारक का शैक्षणिक भ्रमण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. रामू गुप्ता ने की। 44 बटालियन, 15 गर्ल्स बटालियन और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को लेफ्टिनेंट बंदिता त्रिपाठी ने चौरी चौरा कांड का ऐतिहासिक महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि 4 फरवरी 1922 को स्थानीय जनता ने ब्रिटिश पुलिस चौकी में आग लगाकर 22 पुलिसकर्मियों को जिंदा जला दिया था। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्यवान कुमार यादव ने इस घटना को स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रमुख अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन समाप्त कर दिया था। अभियुक्तों के बचाव में पंडित मदन मोहन मालवीय ने सफल पैरवी की थी। इस मौके पर डॉ. राकेश मल्ल, डॉ. ऋषिकेश विश्वकर्मा, डॉ. राघवेंद्र चौहान, डॉ. बलजीत, डॉ. सच्चिदानंद त्रिपाठी, साधना त्रिपाठी, अविनाश त्रिपाठी, डॉ. मंजुला त्रिपाठी, डॉ. मधु शुक्ला और नीरज पांडेय उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने स्मारक स्थल का भ्रमण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश ओलम्पियाड में वर्टेक्स ग्लोबल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

चौरीचौरा।सरदारनगर स्थित वर्टेक्स ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 34 गोल्ड मेडल और कैश प्राइज हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ छात्रों ने जोनल स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कक्षा एक के अयांश त्रिपाठी ने 1000 रुपये कैश प्राइज, जोनल गोल्ड मेडल और गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन जीता। कक्षा दो की आहना त्रिपाठी ने 500 रुपये के साथ गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन प्राप्त किया। कक्षा दो की दिशा चौहान, कक्षा चार के दृष्टि मिश्रा, लव जायसवाल और कार्तिकेय जायसवाल ने गोल्ड मेडल हासिल किए। कक्षा पांच से समर गुप्ता, सात्विक गुप्ता, ध्रुव, प्रिंस चौहान और अंश यादव ने गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन जीता। कक्षा छह की अदिती शुक्ला, कक्षा सात के अधिराज माथुर, अनुज कुमार, तरुण कुमार, आर्या पांडेय, कनक और संस्कार ने गोल्ड मेडल प्राप्त किए। कक्षा आठ के अर्श भारद्वाज, अभिषेक यादव, आलोक गुप्ता, साक्षी यादव, शांभवी सिंह और विनायक जायसवाल ने गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन जीते। कक्षा नौ के आयुष्मान गुप्ता, कक्षा दस के मोहम्मद अदनान और कक्षा ग्यारह के सूरज कुमार, अनुश्रिया सिंह, अनुष्का चतुर्वेदी, शानवी भारद्वाज, अमृता यादव और सिद्धार्थ यादव को गोल्ड मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन मिला।प्रिंसिपल डॉ. आर के मिश्रा ने सभी विजेताओं को बधाई दी। स्कूल चेयरमैन ई. अरविंद त्रिपाठी और निदेशक शैलेंद्र त्रिपाठी, तूलिका त्रिपाठी ने बच्चों की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई।

46 साल पहले संभल में हुए दंगे की फाइल फिर से खुलेगी

संभल। 46 साल पहले संभल में हुए दंगे की फाइल फिर से खुलने जा रही

है।विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान के बाद ये फैसला हुआ है। संभल में 29 मार्च 1978 को दंगा हुआ था. दंगा कई दिनों तक चला था। दो महीने तक शहर में कर्फ्यू लगा रहा। 184 लोगों की जान इस दंगे में चली गई थी. इस दंगे में 169 मुकदमें दर्ज हुए थे। मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय सिंह ने कल संभल के डीएम राजेन्द्र पेनसिया से दंगे से जुड़े सभी रिकार्ड अपने पास मंगाए है. सूत्र बताते हैं कि कुछ लोगों की शिकायतों पर फिर से कई केस खोले जा सकते हैं. इस मामले में कमिश्नर आंजनेय सिंह ने आज मीटिंग भी बुलाई है।

श्रीमद् भागवत कथा से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव - डा. नित्यानंद कृष्ण जी महाराज

घघसरा पाली विकास खंड के देवापार डुगडुईया ग्राम सभा में चल रहे

श्रीमद् भागवत कथा यज्ञ के सातवें दिन कथावाचक डॉ. नित्यानंद कृष्ण जी महाराज ने श्रद्धालुओं को धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवचन सुनाया। उन्होंने कहा कि मोक्ष प्राप्ति के लिए श्रीमद् भागवत कथा सबसे सरल और अंतिम मार्ग है। डॉ. नित्यानंद कृष्ण जी ने बताया कि कलियुग में नाम जप से भी मोक्ष संभव है, लेकिन भगवान श्री कृष्ण की भक्ति का विशेष महत्व है। उन्होंने सुदामा के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री कृष्ण की भक्ति से उनके सभी कष्ट समाप्त हो गए थे। सुदामा की भक्ति से प्रभावित होकर स्वयं श्री कृष्ण उनके घर जाकर रसोई बनाए थे। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के 16108 विवाहों का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि श्री कृष्ण योगेश्वर हैं और योग माया के माध्यम से प्रत्येक भक्त से अपना विशेष संबंध जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर की भक्ति में श्रद्धा और विश्वास का होना आवश्यक है, क्योंकि बिना विश्वास के भगवान की कृपा संभव नहीं है। इस अवसर पर यजमान पंडित कमलेश मिश्रा, उनकी पत्नी गीता देवी मिश्रा, बड़े भाई बृजेश मिश्रा, सर्वेश मिश्रा, सत्य प्रकाश मिश्रा, अशोक यादव, कन्हैयालाल, विद्यावती देवी सहित बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित रहे।

गांव में चौपाल लगाकर बताया गया कि पहले बातचीत से करें विवाद हल

जंगल कौड़िया, गोरखपुर। गोरखपुर जनपद के जंगल कौड़िया क्षेत्र में पुलिस ने एक पहल की शुरुआत की है, जिसमें गांव के लोग आपसी समझदारी से अपने विवादों का समाधान करें, ताकि मुकदमेबाजी से बचा जा सके और क्षेत्र में शांति बनी रहे।सोमवार को इस पहल के तहत पीपीगंज के जंगल कौड़िया और गोला क्षेत्र के गोपालपुर गांव में चौपाल का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद किया और उन्हें अपराध रोकने के उपाय सुझाए। साथ ही, विवादों को सुलझाने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया।एसपी उत्तरी, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने जंगल कौड़िया में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने 214 आपराधिक और गैर–आपराधिक मामलों की समीक्षा की और उनके समाधान पर बात की। एसपी ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण के लिए जनता की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने फर्जी मुकदमें, जमीन संबंधित विवाद, दुर्घटनाएं और अवैध शराब बिक्री जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। चौपाल में महिलाओं ने भी अपनी बात बेबाकी से रखी, जिनमें कई मुद्दों को उठाया गया, जो समाज में हो रहे अपराधों से जुड़े थे।सीओ गोला, रत्नेश्वर सिंह ने गोपालपुर गांव में चौपाल लगाई और बताया कि जिले के सबसे ज्यादा मुकदमे वाले गांवों की सूची तैयार की जा रही है। इस सूची के आधार पर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की रणनीति बनाई जाएगी। इसके साथ ही, जिन गांवों में कम मुकदमे दर्ज हुए हैं, उन्हें प्रोत्साहन देने की योजना भी बनाई जा रही है।एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने बताया कि जिले के उन गांवों में जहां विवाद अधिक होते हैं, वहां चौपाल लगाने के निर्देश एसपी और सीओ को दिए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के 124 गांवों में पिछले पांच साल में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इन गांवों में लोग आपसी सहमति से विवादों का निपटारा कर लेते हैं, जो एक सकारात्मक उदाहरण है।

चोरी के आरोप में अभियुक्त गिरफ्तार, 7000 रुपये बरामद

गोरखपुर।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहपुर थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में आरोपी शमीम उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 7000 रुपये बरामद हुए हैं। घटना 16 दिसंबर 2024 की है जब आरोपी ने फल विक्रेता की दुकान से 13,000 रुपये चोरी कर लिए थे। पीड़ित की शिकायत पर शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय जनता पार्टी सरदार नगर मंडल में मंडल अध्यक्ष के लिए हुआ नामांकन

गोरखपुर।बांसगांव संदेश।भारतीय जनता पार्टी के सरदार नगर मंडल में मंडल अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। ब्लॉक सभागार, सरदार नगर में आयोजित इस कार्यक्रम में 6 उम्मीदवारों ने मंडल अध्यक्ष पद के लिए और 1 उम्मीदवार ने जिला प्रतिनिधि पद के लिए नामांकन किया। नामांकन फार्म जिला महामंत्री श्री आर.डी. सिंह द्वारा जमा किए गए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विनोद शर्मा ने सभी नामांकित कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने और मिलजुल कर कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जब भी आवश्यकता पड़ेगी, सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता संगठन को निरंतर मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे। मंडल अध्यक्ष पद के लिए राजदेव पासवान, सुदर्शन निषाद, व्यास मुनि राजभर, रामेश्वर कश्यप, सुभाष सिंह, विजय मल गिरी ने नामांकन किया, जबकि जिला प्रतिनिधि पद के लिए विपिन पांडे ने नामांकन प्रस्तुत किया। नामांकन के समय मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ता जैसे पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र पांडे, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरेंद्र यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख आनंद शाही, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रामदुलारे चौधरी, और कई अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे। यह नामांकन प्रक्रिया संगठन के समृद्धि और मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

80 लीटर अवैध शराब के साथ अभियुक्तगिरफ्तार

अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

गोरखपुरराजघाट थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरोपी तुलसी निषाद को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 80 लीटर कच्ची शराब, 5 किलो यूरिया और 2.5 किलो नौसादर बरामद किया गया है। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने अभियुक्त को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं।

पानी की टंकी से बैटरी और केबिल चोरी, केस दर्ज

सहजनवा हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के रानीडीह में पानी की टंकी पर लगे बैटरी और केबिल को चोरों ने चुरा लिया। टंकी के ऑपरेटर की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, रानीडीह पानी की टंकी पर धनेश्याम पुत्र रामकवल, निवासी लटकना बतौर ऑपरेटर कार्यरत हैं। धनेश्याम ने पुलिस को बताया कि पानी की टंकी में लगी बैटरी और केबिल चोरी हो गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने प्रस्तुत किए रचनात्मक माडल

ब्रम्हपुर। अखिल भाग्य महाविद्यालय रानापार में बीएड तृतीय सेमेस्टर के छात्र अध्यापकों द्वारा पाठ सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वावलंबी इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य उमेशचंद्र पांडेय ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी छात्रों को वैज्ञानिक तरीके से सोचने और समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है। इस प्रदर्शनी में सीवी रमन समूह, डॉ. भीमराव अंबेडकर समूह, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम समूह, भगत सिंह समूह, विक्रम साराभाई समूह, महाराणा प्रताप समूह और नीलकंठ समूह के छात्र–छात्राओं ने अपने मॉडल प्रस्तुत किए। चंद्रयान–3, स्मार्ट सिटी, वाटर फिल्टर, सोलर एनर्जी पैनल, साइंस मैजिक, टॉय टेलीफोन, पवन चक्की, कुतुब मीनार, गवर्नमेंट हॉस्पिटल और राम मंदिर जैसे प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक मिश्रा, डॉ. अजय ओझा, श्रीमती आरती माला सिंह, डॉ. राजनाथ सिंह, विद्यानंद सिंह, बबीता सिंह और सद्दाम हुसैन उपस्थित रहे। प्रशांत राय, हरि शरण पति त्रिपाठी और बच्चा यादव सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों और छात्रों ने प्रदर्शनी की सफलता में योगदान दिया।

युवती गहने और नकदी लेकर प्रेमी संग फरार, केस दर्ज

सहजनवा गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ चौकी अंतर्गत एक युवती गहने और नकदी लेकर प्रेमी संग फरार हो गई। युवती की मां की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, युवती घर से 50 हजार रुपये नकद और गहने लेकर फरार हो गई। युवती के मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक मंगेश पुत्र मुन्ना, निवासी ककराखोर थाना बेलीपार, उसकी बेटी को बहला–फुसलाकर भगाकर ले गया। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

गगहा में ई रिक्शा और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत, दो घायल

गगहा ।थाना क्षेत्र के मंगलबाजार के पास फोरलेन पर सोमवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे एक ट्रक और बैटरी से चलने वाली ई रिक्शा की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ई रिक्शा में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बारे में जानकारी मिलते ही गगहा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सीएचसी गगहा भेजा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। घायल व्यक्तियों में से एक की पहचान मन्नू यादव पुत्र राम लक्ष्मण निवासी बड़हलगंज थाना क्षेत्र के सत्यनारायण की मड़ई के रूप में हुई है, जबकि दूसरे घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी।पुलिस के मुताबिक, बैटरी से चलने वाली ई रिक्शा (न्च 53भ्ज 0216) विपरीत दिशा से आ रही थी, जब वह ट्रक (न्च 17 ।ज 0724) से टकरा गई। घटना के बाद दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाजपा मंडल पीपीगंज के मंडल अध्यक्ष पद के लिए हुआ नामांकन

पीपीगंज भारतीय जनता पार्टी के संगठन महापर्व अभियान के तहत पीपीगंज मंडल अध्यक्ष पद के लिए आज नगर पंचायत पीपीगंज के सभागार में नामांकन प्रक्रिया शांति पूर्वक संपन्न हुई। मंडल चुनाव अधिकारी राम उजागिर शुक्ल की देखरेख में तथा मंडल अध्यक्ष राकेश चौधरी की अध्यक्षता में यह नामांकन हुआ।नामांकन पत्र दाखिल करने वालों में मंडल उपाध्यक्ष वेद प्रकाश दूबे, महामंत्री पशुपति नाथ अग्रहरि, अजित सिंह, राधाकृष्ण निषाद, तारकेश चौधरी, परमात्मा चौबे शामिल थे। मंडल चुनाव अधिकारी राम उजागिर शुक्ल ने शांति पूर्वक नामांकन प्रक्रिया संपन्न होने पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद किया। मंडल अध्यक्ष राकेश चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनिल अग्रहरी, विंद्रासन चौधरी, दिलीप पांडेय, मनोज अग्रहरि, लाल जी विश्वकर्मा, अजय पांडेय, बाबूलाल गुप्ता, बुधिराम जायसवाल, प्रदीप चौहान, शशिभूषण पासवान, राज त्रिपाठी, जयहिंद सिंह, श्री केश मणि त्रिपाठी, दिनेश यादव, ईश्वर देव यादव, बृजेश चौरसिया, घनश्याम यादव, राम हित निषाद, सुभाष मद्धेशिया, रामजी आदि लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने आयुष्मान गोल्डेन कार्ड के संबंध में प्रेस प्रतिनिधियों के साथ किया वार्ता

महराजगंज (संवाददाता)। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आयुष्मान गोल्डेन कार्ड विषय पर कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस प्रतिनिधियों के साथ प्रेस वार्ता की गई। जिलाधिकारी द्वारा प्रेस वार्ता में बताया गया कि 70 वर्ष आयु के ऊपर के बृद्धजनों का आयुष्मान गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की प्रक्रिया में 25 नवम्बर 2024 से 17 दिसम्बर, 2024 तक जनपद में 1029 शिविर का आयोजन कर 20454 आयुष्मान गोल्डेन कार्ड बनाये गए। इसी क्रम में अगले 10 दिनों तक 384 गांवों में छूटे हुए लोगों का दुबारा शिविर के माध्यम से आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में पात्रता के आधार पर बने आयुष्मान गोल्डेन कार्ड लगभग 11000 को सम्मिलित करते हुए अब तक चिन्हित, लक्षित लगभग 43500 के सापेक्ष लगभग 31600 आयुष्मान गोल्डेन कार्ड जनपद में बन चुके इस प्रकार लक्ष्य के सापेक्ष 72.65 प्रतिशत उपलब्धि रही जिससे जनपद का प्रदेश में दूसरा स्थान रहा पहले स्थान पर वाराणसी है । इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रेस वार्ता में कहा कि आगामी दस दिनों में दुबारा शिविर आयोजित कर 90 प्रतिशत से ऊपर उपलब्धि हासिल कर प्रदेश में जनपद को प्रथम स्थान पर स्थापित करने का प्रयास है ।

नवाचार मेला व नालेज शेयरिंग कार्यक्रम में शिक्षकों ने लगाई टीएलएम की प्रदर्शनी

गगहा गोरखपुर। ब्लाक संसाधन केन्द्र में टीएलएम प्रदर्शनी एवं नवाचार मेला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ बीईओ डा. प्रदीप शर्मा व ब्लाक अध्यक्ष डा. सुमन्त कुमार सिंह द्वारा किया गया। टीएलएम प्रदर्शनी में प्राथमिक व जूनियर के शिक्षकों ने अपने अपने नवस्टाल लगाकर विद्यालयों में किए जा रहे नवाचार व उससे जुड़े नालेज को शेयर किया। बीईओ डा प्रदीप शर्मा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं शिक्षक के कौशलों को बढ़ाती हैं और कक्षा शिक्षण को रुचिकर बनाने में मदद करती हैं। टीएलएम व नवाचारों के प्रयोग से बच्चों का विद्यालयों में ठहराव बढ़ता है और आसानी से सीख चीजों को सीख जाते हैं। इस अवसर पर ब्लाक मंत्री हामिद अली, एआरपी गौरव श्रीवास्तव, संदीप नायक, राम सनेही, मनोज कुमार मिश्र, लक्ष्मी, जयश्री मिश्रा, कुसुम, अनिता शुक्ला, प्रियंका पांडेय, प्रिती गौड़, रेनू शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

अपराधी मनीष उर्फ देवव्रत सिंह की हिस्ट्रीशीट खोली गई

गोरखपुर।बांसगांव संदेश।थाना गोला पुलिस ने अपराधी मनीष उर्फ देवव्रत सिंह को दुराचारी घोषित कर उसकी ष्ठअष् श्रेणी की हिस्ट्रीशीट खोल दी है। मनीष के खिलाफ कई गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं जिनमें मारपीट, धमकी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप शामिल हैं।

सीओ ने महामना फाउडेशन के कार्यो की सराहना की

चौरीचौरा, गोरखपुर। पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुराग कुमार सिंह ने पंडित महामना फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक सचिन गौरी वर्मा के समाजिक कार्यों की सराहना की।सचिन गौरी वर्मा द्वारा वर्तमान समय में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेज की छात्राओं और शिक्षिकाओं को एक माह का निशुल्क पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस पहल के तहत, छात्राओं और शिक्षिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न कौशल प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि वे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें।सचिन ने बताया कि वह पंडित परशुराम मणि त्रिपाठी लोक कल्याण न्यास के संस्थापक और लेडी प्रसन्न कौर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश मणि त्रिपाठी के साथ मिलकर शहीद नगर चौरीचौरा के लगभग 100 से अधिक स्थानों पर संक्षिप्त इतिहास फ्लेक्स के माध्यम से लगवाने का कार्य करेंगे, ताकि यहां के लोगों को हमारे ऐतिहासिक योगदान और घटनाओं के बारे में जानकारी मिल सके।इस कार्य का उद्घाटन 20 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुराग कुमार सिंह द्वारा लेडी प्रसन्न कौर इंटर कॉलेज में किया जाएगा।

फायरिंग मामले में पुलिस ने एक अपराधी को किया गिरफ्तार

मैरवा ((संवाददाता))। गुठनी मोड़ के अंबेडकर गैस एजेंसी के समीप फायरिंग करने के दौरान पुलिस ने एक अपराधी गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने उसके पास एक अवैध पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस और एक चोरी की बाइक बरामद किया है।हालांकि फायरिंग की बात को पुलिस अफवाह बता रही है।गिरफ्तार अपराधी की पहचान सीवान के मुफ्फसिल थाना के जमसीकरी गांव के पृथ्वीनाथ

बस टर्मिनल निर्माण का रास्ता साफ
जनपद के लोगो ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी का जताया आभार

बलिया ((संवाददाता))। जनपद के बैरिया में अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) का सपना अब जल्द साकार होगा। जी हां प्रदेश सरकार ने परियोजना के लिए भूमि उपलब्धा कराने की सहमति दे दी है। प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री व नगर विधायक दयाशंकर सिंह ने इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए उन्हें साधुवाद दिया है। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि परिवहन विभाग को इस परियोजना के लिए जिले के बैरिया में निःशुल्क भूमि उपलब्धा कराई जाएगी जिसका चयन हो गया है। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि आईएसबीटी बनने से बलिया से बिहार, बंगाल और झारखंड समेत अन्य राज्यों के लिए बसों का संचालन आसान हो जाएगा। मंत्री ने बताया कि बलिया और आसपास के जिलों के हजारों लोग प्रतिदिन बिहार, बंगाल और झारखंड की यात्रा करते हैं। आईएसबीटी से यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था मिलेगी। इसके साथ ही, इस बस टर्मिनल से क्षेत्र में पर्यटन के साथ ही रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। परिवहन मंत्री के इस ड्रीम प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने से क्षेत्रीय जनता में खुशी की लहर है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि यह टर्मिनल स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी बढ़ाएगा। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि आईएसबीटी के निर्माण से बलिया को अन्य राज्यों के साथ बेहतर यातायात संपर्क मिलेगा, जो इस जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।